ARYAN

संज्ञानात्मक संबंधी विशेषताएँ
Cognitive Characteristics

चूंकि ऐसे बच्चे मन्द बुद्धि नहीं होते हैं, इन्हें सिर्फ पढ़ने एवं इससे संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिस कारण वह ज्ञान से संबंधित छोटी छोटी चीजों को भी समझने में असमर्थ होते हैं, तथा अपनी अवधारणा बनाने में दिक्कत होती है। ऐसे बालकों में मुख्यतः -

1. दृश्य अवधारणात्मक कमी :- इसमें बालक किसी भी दृश्य को देखकर उसके प्रति कोई अवधारणा नहीं बना पाते हैं, जैसे - छोटी-छोटी कहानियों के में पाठ से सीख लेना, इस प्रकार का अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करता है। किसी कहानी के अंत में सीख को वह सही तरीके से नहीं बता पाता है।

2. स्थानिक अभिविन्यास :- इस बिन्दु में यह पाते हैं कि बालक स्थान को लेकर असमंजस में रहते हैं, जैसे - दाहिने, बाएँ

अगर उसे कोई सवाल दिया जाए कि कोई व्यक्ति सीधा जाकर बाएँ मुड़ गया फिर दाएँ मुड़कर बाएँ हाथ से सीधा चले तो वह किस दिशा में जाएगा ? ऐसा प्रश्न उस बच्चे के लिए काफी कठिन हो जाता है और वह दाहिने एवं बाएँ में उलझ जाता है।

3. आकृति विभेदीकरण की कमी :- ऐसे बालको को आकृति पहचानने में दिक्कत होती है जैसे - आयत और चतुर्भुज, गोल और अण्डाकार इत्यादि।

4. विभेदीकरण की कमी :- ऐसे बालक दो समान दिखने वाली वस्तुओं के बीच अन्तर नहीं कर पाते हैं, जैसे साधारण कॉपी और रजिस्टर, इत्यादि।

5. दृश्य स्मरण शक्ति का अभाव :- ऐसे बालकों को अगर कहानी का विडियो दिखाया जाए और उसके बाद उसे पुनः उस कहानी को पूछा जाए तो वह स्मरण करके बारबार

करने में असमर्थ रहेगा।

शैक्षणिक विशेषताएं (Educational Characteristics)

1. डिस्लेक्सीया (Dyslexia) - पढ़ने में असमर्थ होना, A Disorder of Reading :- ऐसे बालकों में

a. धीमा पढ़ना ⇒ ऐसे बालक किताब को बहुत धीरे-धीरे या रुक रुक कर पढ़ते हैं।

b. उल्टा पढ़ना ⇒ ऐसे बालक किताब की में लिखी चीजों को उल्टा पढ़ते है जैसे - Ball को dall, Cat को mat इत्यादि

c. बीच - बीच में छोड़कर पढ़ना ⇒ ऐसे बालक उच्चारण करते समय बीच - बीच की लाइन को छोड़ कर आगे पढ़ने लगते हैं। जिस कारण इन्हें पढ़ाई में क्रम या sequence नहीं मिल पाता है।

d. शब्द भण्डार की कमी :- ऐसे बालकों में शब्द भण्डार की कमी देखी जाती है, जिस कारण वे नए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों की रचना करने में असमर्थ होते है।

e. अक्षरों को पढ़ने में दिक्कत :- समान दिखाई देने वाले अक्षरों में अन्तर नहीं कर पाते हैं जैसे b और d, m and n etc.

f. व्यावहारिक प्रश्नों को समझने में दिक्कत :- व्यावहारिक प्रश्नों को नहीं समझ पाते हैं, ऐसे बालक जैसे - गणित में समस्यात्मक प्रश्न अंग्रेजी में संक्षेपण इत्यादि।

g. धारा प्रवाह पढ़ने में दिक्कत :- ऐसे बालकों को धारा प्रवाह पढ़ने में दिक्कत होती है, वह शब्दों का उच्चारण सही तरीके से नहीं कर पाते हैं, जिस कारण उन्हें इस प्रकार की परेशानी होती है।

ARYAN Page No. Date / /

2. डाइ ग्रेफिया (Dysgraphia) A disorder of writing :-

ऐसे बालक को चूंकि पढ़ने में परेशानी होती है। इस लिए इन्हें लिखने में भी असहजता होती है। अतः ऐसे बालक

a) वाक्य बनाने में परेशानी होती है :- नए वाक्यों की रचना नहीं कर पाते है।

b) वर्तनी दोष : ऐसे बालकों में वर्तनी को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है, ऐसे बालक छोटे - छोटे शब्द के वर्तनी भी ठीक से नहीं लिख पाते है।

c) श्याम पट्ट से या किताब से उतारने में दिक्कत ऐसे बालको श्याम पट्ट से उतारने में बहुत परेशानी होती है। कि ये दूर से अक्षरों को स्पष्ट तरीके से नहीं देख पाते है, और अन्तर नहीं कर पाते है।

d) पेन / पेन्सिल को गलत तरीके से पकड़ना :- ऐसे बालक पेन / पेन्सिल

को गलत तरीके से पकड़ते हैं, जिस कारण इनकी अक्षर सही तरीके से नहीं उभर पाती है।

3. Dyscalculia - A disorder of mathematical learning

a) अंको को पहचानने में कठिनाईयाँ :- ऐसे बालको को अंको को पहचानने में दिक्कत होती है जैसे odd no. even even etc.

b) Place Value को समझने में कठिनाईयाँ होती है, किस अंक को किस स्थान पर रखना है, यह उसके लिए काफी कठिन कार्य हो जाता है।

c) क्रम को समझने में दिक्कत :- ऐसे बालक गणितीय क्रम को समझने में दिक्कत होती है जैसे BODMAS के नियम को समझने में।

d) समस्यात्मक प्रश्न को समझने में - गणित में समस्यात्मक प्रश्न (Statement Questions) को समझने में दिक्कत होती है।